CBSE 2025 हिन्दी (अ) — सेट 3 — Answer Key

English Medium

Time Allowed: 3 Hours | Maximum Marks: 80

General Instructions:

1. This question paper contains 38 questions. All questions are compulsory.
2. Section A has 20 MCQs carrying 1 mark each.
3. Section B has 6 questions carrying 2 marks each.
4. Section C has 6 questions carrying 3 marks each.
5. Section D has 4 questions carrying 5 marks each.
6. Section E has 3 case-study based questions carrying 4 marks each.
7. Draw neat figures wherever required.

Q.1(i) [1 mark]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर लिखिए :

उत्तरी गोलार्ध में पतझड़ में प्रवास में चिड़ियाँ अंडे देने के स्थान से चलती हैं। वे उत्तर से दक्षिण की ओर ऊँचे अक्षांशों से निचले अक्षांशों की ओर जाती हैं; दक्षिणी गोलार्ध इसका उल्टा होता है जो कि स्वाभाविक ही है। चिड़ियाँ दक्षिण की सर्दी से बचने के लिए उत्तर की ओर चल पड़ती हैं। यह बात तो समझ में आती है कि कुछ चिड़ियाँ सख्त जाड़े से घबरा कर अपेक्षाकृत कम ठंडे स्थानों की ओर भाग जाती हैं और जैसे ही गर्मी शुरू होने लगती है, लौट कर अपने देश आ जाती हैं। वे अपने देश जब आती हैं, उस समय वहाँ पेड़ों पर नई-नई कोंपलें, कलियाँ और फूल निकले होते हैं और परिवार के पोषण के लिए तमाम तरह के कीड़े-मकोड़े उपलब्ध होते हैं। गर्मी खत्म होते-होते बच्चे बड़े होकर आत्मनिर्भर हो जाते हैं और पतझड़ के बाद पहली सर्दी के पड़ते ही, चिड़ियाँ दक्षिण की ओर चल देने को तैयार हो जाती हैं।

यहाँ तक तो ऐसा लगता है कि इन कठिन प्रवास यात्राओं का निश्चित महत्त्व है और शायद जो चिड़ियाँ प्रवास पर जाती हैं उनके लिए, कुछ हद तक यह आवश्यक भी है; लेकिन उलझन में डालने वाली बात यह है कि कुछ चिड़ियाँ प्रवास पर पूर्व से पश्चिम या पश्चिम से पूर्व को लगभग उसी अक्षांश पर, लगभग उसी प्रकार के जलवायु वाले प्रदेशों में अंडे देने के लिए जाती हैं।

अपनी इस लंबी यात्रा पर प्रस्थान करने से पहले प्रवासी चिड़ियाँ इसके लिए बाकायदा तैयारी करती हैं। वे खाना अधिक मात्रा में खाती हैं ताकि चर्बी की एक तह सी बैठ जाए जो उनकी यात्रा में उनके शरीर को ताकत प्रदान करती रहे। कुछ चिड़ियाँ अभ्यास करना और झुंड बनाकर उड़ना सीखना शुरू कर देती हैं। प्रयोगों से पता चला है कि सूरज निकलने और डूबने से चिड़ियों को प्रस्थान के समय का संकेत मिलता है। लंबी यात्रा में सूरज ही उनको कुतुबनुमा का काम देता है।

पक्षी ऊँचे अक्षांशों से निचले अक्षांशों की ओर क्यों जाते हैं ?
I. प्रवास के उद्देश्य से
II. अधिक सर्दी से बचने के लिए

III. गर्मी के मौसम की खोज में

(a) केवल II <<

(b) I और III

(c) II और III

(d) I और II

Explanation:

गद्यांश के अनुसार चिड़ियाँ दक्षिण की सर्दी से बचने के लिए उत्तर की ओर और सख्त जाड़े से घबराकर कम ठंडे स्थानों की ओर जाती हैं। अतः 'अधिक सर्दी से बचने के लिए' (केवल II) सही है।

Q.0 [0 mark]

निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए :

कथन : कुछ पक्षी समान जलवायु वाले प्रदेशों में अंडे देने के लिए प्रवास करते हैं।

कारण : उनके लिए पश्चिम से पूर्व या पूर्व से पश्चिम जाना अनिवार्य होता है।

(a) कथन सही है, परंतु कारण गलत है।

(b) कथन गलत है, परंतु कारण सही है।

(c) कथन सही है और कारण उसकी उचित व्याख्या है।

(d) कथन और कारण दोनों सही हैं, परंतु कारण, कथन की उचित व्याख्या नहीं है। <<

Explanation:

गद्यांश बताता है कि कुछ पक्षी समान जलवायु वाले प्रदेशों में प्रवास करते हैं (कथन सही) और वे पूर्व से पश्चिम या पश्चिम से पूर्व जाते हैं (कारण भी सही है), परंतु यह 'अनिवार्य' नहीं — यह उलझन की बात है, इसीलिए कारण कथन की उचित व्याख्या नहीं करता।

Q.0 [0 mark]

चिड़ियाँ जब प्रवास से लौटती हैं तब उनके देश में कौन-सा परिवर्तन आ चुका होता है ?

(a) गर्मी का मौसम खत्म हो चुका होता है।

(b) पेड़ों पर नई कोंपलें, फूल आदि लग चुके होते हैं। <<

(c) उनके बच्चे बड़े होकर अपने रास्तों पर निकल चुके होते हैं।

(d) सारे कीड़े-मकोड़े अनुपलब्ध हो चुके होते हैं।

Explanation:

गद्यांश में कहा गया है कि जब चिड़ियाँ लौटती हैं तब 'वहाँ पेड़ों पर नई-नई कोंपलें, कलियाँ और फूल निकले होते हैं और कीड़े-मकोड़े उपलब्ध होते हैं'। अतः विकल्प (B) सही है।

Q.0 [0 mark]

पक्षी प्रवास पर जाने से पहले कौन-सी तैयारियाँ करते हैं ? किन्हीं दो का स्पष्ट उल्लेख कीजिए ।

Answer: प्रवासी चिड़ियाँ प्रस्थान से पहले दो प्रमुख तैयारियाँ करती हैं — (1) वे अधिक मात्रा में खाना खाती हैं ताकि चर्बी की एक तह बैठ जाए जो यात्रा में शरीर को ताकत देती रहे। (2) कुछ चिड़ियाँ अभ्यास करना और झुंड बनाकर उड़ना सीखना शुरू कर देती हैं।

Explanation:

प्रवास से पहले चिड़ियाँ अधिक भोजन खाकर ऊर्जा संग्रहीत करती हैं और उड़ान का अभ्यास करती हैं — ये दोनों तैयारियाँ गद्यांश में स्पष्ट रूप से वर्णित हैं।

Q.1(v) [1 mark]

पक्षियों के लिए प्रवास की आवश्यकता और उसके महत्त्व को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए ।

Answer: पक्षियों के लिए प्रवास अत्यंत आवश्यक है — वे सर्दी से बचने के लिए गर्म स्थानों की ओर जाते हैं और गर्मी में लौटकर नई कोंपलों और कीड़े-मकोड़ों की उपलब्धता में अपने परिवार का पोषण करते हैं। प्रवास से बच्चों का पालन-पोषण संभव होता है और चिड़ियाँ अपनी प्रजाति को जीवित रखती हैं। यह उनके अस्तित्व के लिए अनिवार्य है।

Explanation:

प्रवास पक्षियों के जीवन-चक्र का अभिन्न हिस्सा है — सर्दी से बचाव, प्रजनन और बच्चों का पालन-पोषण सभी प्रवास पर निर्भर करते हैं।

Q.2(i) [1 mark]

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर लिखिए :

चीज़ों का हूबहू दिखना अपनी ही शक्ल में
कविता में मुझे पसन्द नहीं बिल्कुल

मैं चाहता हूँ मेरा फटा पुराना जूता भी दिखे वहाँ
पूर्णिमा के पूरे चाँद की तरह
एक साबुन की तरह दिखे मेरी आत्मा
छोटी-छोटी विकृतियाँ और अन्तर्विरोध भी दिखें वहाँ
फूली हुई नसों वाले राक्षसों से इतने वीभत्स और दैत्याकार
कि आसानी से की जा सके उनसे घृणा
की जा सके नफ़रत

मुझे पसन्द हैं वे विदूषक जो मंच पर आने से पहले ही
रँग लेते हैं अपना पूरा चेहरा
मैं चाहता हूँ
बेहद थका और ऊबा हुआ फोरमैन भी जब अपने घर में घुसे
तो बदल जाए तत्काल उसका चेहरा
अपनी पाँच बरस की बेटी के पिता की तरह

बदल जाएँ, बदल जाएँ लोगों के चेहरे
जब वे मेरी कविता में आएँ
हीरे की तरह चमकती हुई दिखें लोगों की
बहुत छोटी-छोटी अच्छाइयाँ
कि निराश आदमी पलट कर दौड़ पड़े
जीवन की ओर चिल्लाता हुआ
कुछ नहीं है जीवन से ज़्यादा सुन्दर
जीवन से ज़्यादा प्यारा
जीवन की तरह अमर

मैं चाहता हूँ
कि कविता के भीतर फैली आसमान की टेबिल पर
मैं जब सूरज के साथ चाय पी रहा होऊँ
एक विशाल समुद्र की तरह दिखे

मेरा कप।

'फटा पुराना जूता भी पूर्णमिा के पूरे चाँद की तरह दखिे' – पंक्तकिा आशय है :

(a) फटे पुराने जूते का भी साफ-सुथरा दखिाई देना
(b) अत्यंत मामूली चीज़ों का भी सौंदर्य से परपिूर्ण दखिाई देना <<
(c) अत्यंत मामूली चीज़ों का भी कवतिा में वर्णन होना
(d) अतीत की चीज़ों का भी कवतिा में सुंदरतापूर्ण उल्लेख होना

Explanation:
कवचिाहता है कउिसकी कवतिा में साधारण से साधारण चीज़ें भी — जैसे फटा पुराना जूता — पूर्णमिा के चाँद जैसी सुंदर और महत्त्वपूर्ण दखिें। यह मामूली चीज़ों में सौंदर्य खोजने की बात है।

Q.0 [0 mark]

कवकिनिसे नफ़रत और घृणा का बर्ताव चाहता है ?

(a) फूली हुई नसों वाले राक्षस से <<
(b) अपनी छोटी-बड़ी वकृितयिों से
(c) वीभत्स लगने वाले दैत्यों से
(d) साबुन की तरह दखिती आत्मा से

Explanation:
काव्यांश में कवकिहता है — 'फूली हुई नसों वाले राक्षसों से इतने वीभत्स और दैत्याकार / कआिसानी से की जा सके उनसे घृणा।' अतः नफ़रत फूली नसों वाले राक्षसों से है।

Q.0 [0 mark]

कवकिी कामना में फोरमैन के बदलते चेहरे का तात्पर्य है :

(a) बाहर की थकान और ऊब को छोड़ घर में स्नेह और कोमलता का भाव रखना। <<
(b) पाँच बरस की बच्ची के पति की तरह ज़म्मिेदारी भरा व्यवहार करना।
(c) काम से उपजी थकान और ऊबे हुए मन को भुलाकर प्रसन्न दखिने का नाटक करना।
(d) मंच पर आने वाले वदूिषक की तरह सबको प्रसन्न करने का प्रयास करना।

Explanation:
कवचिाहता है कथिका-ऊबा फोरमैन घर में प्रवेश करते ही अपनी पाँच बरस की बेटी के पति की तरह बदल जाए — अर्थात बाहर की थकान भूलकर घर में स्नेह और कोमलता से पेश आए।

Q.0 [0 mark]

काव्यांश के आधार पर कविता का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

Answer: काव्यांश के आधार पर कविता का उद्देश्य है — साधारण जीवन की मामूली चीज़ों और लोगों की छोटी-छोटी अच्छाइयों को उजागर करना, ताकि निराश मनुष्य फिर से जीवन की ओर लौट सके। कवि चाहता है कि कविता समाज की विसंगतियों और विकृतियों को भी उजागर करे और पाठक में जीवन के प्रति आस्था जगाए।

Explanation:

यह कविता सामान्य जीवन के सौंदर्य को उजागर करने और मानवीय अच्छाइयों को प्रकाशित करने की बात करती है। कवि का उद्देश्य है कि कविता निराशा को दूर करे।

Q.2(v) [1 mark]

क्या कवि कविता से असंभव उम्मीद पाल रहा है? तर्कपूर्ण टिप्पणी कीजिए।

Answer: कवि की उम्मीदें असंभव नहीं, बल्कि आदर्शवादी हैं। वह चाहता है कि कविता साधारण में असाधारण सौंदर्य देखे, निराश मनुष्य को जीवन से जोड़े और लोगों के चेहरों को बदल दे। ये उम्मीदें भले ही कठिन हों, लेकिन महान साहित्य यही करता है — वह मनुष्य को बेहतर इंसान बनाता है। अतः कवि की उम्मीद असंभव नहीं, बल्कि साहित्य का असली उद्देश्य है।

Explanation:

कवि की उम्मीदें आदर्शवादी हैं परंतु असंभव नहीं — साहित्य का कार्य ही मानव को प्रेरित करना और जीवन में सौंदर्य देखना सिखाना है।

Section A

Multiple Choice Questions (1 mark each)

Q.3 [1 mark]

निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) बालगोबिन भगत एक-एक पद गाते और उनकी मंडली उसे दुहराती-तिहराती थी। (सरल वाक्य में बदलिए)

(ख) हमने सुना कि बालगोबिन भगत का बेटा नहीं रहा। (आश्रित उपवाक्य पहचानकर उसका भेद भी लिखिए)

(ग) कुतूहलवश जब मैं उनके घर गया तो देखकर दंग रह गया। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(घ) उनकी अंगुलियाँ खँजड़ी पर लगातार चल रही थीं, उनके मुँह से शब्दों का ताँता लगा था। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ङ) नवाब साहब खीरे की तैयारी और इस्तेमाल से थककर लेट गए थे। (रचना के अनुसार वाक्य का भेद पहचानकर लिखिए)

Answer: (क) बालगोबिन भगत के एक-एक पद गाने पर उनकी मंडली उसे दुहराती-तिहराती थी।

(ख) आश्रित उपवाक्य: 'कि बालगोबिन भगत का बेटा नहीं रहा' — यह संज्ञा उपवाक्य है।

(ग) मैं कुतूहलवश उनके घर गया और देखकर दंग रह गया।

(घ) जब उनकी अंगुलियाँ खँजड़ी पर लगातार चल रही थीं तब उनके मुँह से शब्दों का ताँता लगा था।

(ङ) सरल वाक्य

Explanation:

वाक्य-भेद में सरल, संयुक्त और मिश्र वाक्यों की पहचान एवं रूपांतरण तथा आश्रित उपवाक्य का भेद जानना आवश्यक है।

Q.4 [1 mark]

निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) लड़कियाँ मैदान में खेल रही थीं। (इस वाक्य में वाच्य पहचानकर लिखिए)

(ख) कैप्टन नेताजी की मूर्ति पर असली चश्मा लगाता था। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ग) दादाजी से अब चला नहीं जाता। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(घ) वह चलकर आया था। (भाववाच्य में बदलिए)

(ङ) बालक से दूध पीया जाता है। (वाच्य-भेद पहचानकर लिखिए)

Answer: (क) कर्तृवाच्य

(ख) कैप्टन द्वारा नेताजी की मूर्ति पर असली चश्मा लगाया जाता था।

(ग) दादाजी अब चल नहीं सकते।

(घ) उससे चलकर आया गया था।

(ङ) कर्मवाच्य

Explanation:

कर्तृवाच्य में कर्ता प्रधान होता है, कर्मवाच्य में कर्म प्रधान और भाववाच्य में क्रिया का भाव प्रधान होता है। 'द्वारा' से कर्मवाच्य बनता है।

Q.5 [1 mark]

निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) पानवाला मजाकिया स्वभाव का व्यक्ति था। (रेखांकित 'पानवाला' का पद-परिचय)

(ख) उसके लिए यह एक मज़ेदार बात थी। (रेखांकित 'मज़ेदार' का पद-परिचय)

(ग) मैं देर तक उसकी प्रतीक्षा करता रहा लेकिन वह नहीं आया। (रेखांकित 'लेकिन' का पद-परिचय)

(घ) वह ठीक ही सोच रहे थे। (रेखांकित 'ठीक' का पद-परिचय)

(ङ) उन्होंने मानवीय क्रियाओं को छोटे-छोटे भागों में बाँटा। (रेखांकित 'बाँटा' का पद-परिचय)

Answer: (क) पानवाला — संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।

(ख) मज़ेदार — विशेषण, गुणवाचक, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'बात' विशेष्य।

(ग) लेकिन — समुच्चयबोधक (व्यधिकरण), दो वाक्यों को जोड़ता है।

(घ) ठीक — क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'सोच रहे थे' क्रिया की विशेषता।

(ङ) बाँटा — क्रिया, सकर्मक, भूतकाल, एकवचन, पुल्लिंग, कर्तृवाच्य।

Explanation:

पद-परिचय में प्रत्येक शब्द का व्याकरणिक विश्लेषण — संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रियाविशेषण, समुच्चयबोधक आदि — देना होता है।

Q.6 [1 mark]

निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) "लो यह लतिका भी भर लाई। / मधु मुकुल नव रस गागरी ।।" — पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार पहचानकर लिखिए।

(ख) "उस काल मारे क्रोध के तनु काँपने उसका लगा। / मानो हवा के जोर से सोता हुआ सागर जगा ।।" — पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार पहचानकर लिखिए।

(ग) "नभमंडल छाया मरुस्थल-सा दल बाँध के अंधड़ आवै चला ।" — पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार पहचानिए।

(घ) रूपक अलंकार का एक उपयुक्त उदाहरण काव्य-पंक्तियों के द्वारा लिखिए।

(ङ) अतिशयोक्ति अलंकार का एक सटीक उदाहरण अपनी स्मृति से लिखिए।

Answer: (क) अनुप्रास अलंकार — 'म' वर्ण की आवृत्ति (मधु मुकुल नव), तथा रूपक — 'नव रस

गागरी' में लता को रस की गागर कहा गया।

(ख) उत्प्रेक्षा अलंकार — 'मानो' वाचक शब्द से क्रोध के कारण काँपते तन की तुलना सोते सागर से।

(ग) उपमा अलंकार — 'मरुस्थल-सा' में नभमंडल की तुलना मरुस्थल से।

(घ) रूपक उदाहरण: 'मेखलाकार पर्वत अपार / अपने सहस्र दृग सुमन फाड़'।

(ङ) अतिशयोक्ति उदाहरण: 'हनुमान की पूँछ में लग न पाई आग / लंका सगरी जल गई गए निशाचर भाग'।

Explanation:

अनुप्रास में वर्ण आवृत्ति, उत्प्रेक्षा में 'मानो/जानो', उपमा में 'सा/सी/सी', रूपक में अभेद आरोप और अतिशयोक्ति में बढ़ा-चढ़ाकर कहना — ये अलंकारों की पहचान हैं।

Q.7(i) [1 mark]

निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

काशी संस्कृति की पाठशाला है । शास्त्रों में आनंदकानन के नाम से प्रतिष्ठित । काशी में कलाधर हनुमान व नृत्य-विश्वनाथ हैं । काशी में बिस्मिल्ला खाँ हैं । काशी में हज़ारों सालों का इतिहास है जिसमें पंडित कंठे महाराज हैं, विद्याधरी हैं, बड़े रामदास जी हैं, मौजूद्दीन खाँ हैं व इन रसिकों से उपकृत होने वाला अपार जन-समूह है । यह एक अलग काशी है जिसकी अलग तहज़ीब है, अपनी बोली और अपने विशिष्ट लोग हैं । इनके अपने उत्सव हैं, अपना गम । अपना सेहरा-बन्ना और अपना नौहा । आप यहाँ संगीत को भक्ति से, भक्ति को किसी भी धर्म के कलाकार से, कजरी को चैती से, विश्वनाथ को विशालाक्षी से, बिस्मिल्ला खाँ को गंगाद्वार से अलग करके नहीं देख सकते ।

अकसर समारोहों एवं उत्सवों में दुनिया कहती है ये बिस्मिल्ला खाँ हैं । बिस्मिल्ला खाँ का मतलब – बिस्मिल्ला खाँ की शहनाई । शहनाई का तात्पर्य – बिस्मिल्ला खाँ का हाथ । हाथ से आशय इतना भर कि बिस्मिल्ला खाँ की फूँक और शहनाई की जादुई आवाज़ का असर हमारे सिर चढ़कर बोलने लगता है । शहनाई में सरगम भरा है । खाँ साहब को ताल मालूम है, राग मालूम है । ऐसा नहीं कि बेताले जाएँगे । शहनाई में सात सुर लेकर निकल पड़े । शहनाई में परवरदिगार, गंगा मइया, उस्ताद की नसीहत लेकर उतर पड़े । दुनिया कहती – सुभान

अल्लाह, तसि पर बस्मिल्लि खाँ कहते हैं – अलहमदुलल्लिाह ।

काशी के वषिय में नम्निलखिति में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं ? उचति वकिल्प छाँटकर लखिए ।

I. इसे शास्त्रों में आनंदकानन कहा गया है ।

II. यहाँ संगीत और भक्तएिक-दूसरे में रचे-बसे हैं ।

III. यहाँ पर संस्कृतशिक्षिण के लएि एक पाठशाला का नरि्माण हुआ है ।

(a) केवल I और II सही हैं । <<

(b) केवल I और III सही हैं ।

(c) केवल III सही है ।

(d) केवल II और III सही हैं ।

Explanation:

गद्यांश में काशी को 'आनंदकानन' (I सही) और संगीत-भक्तिका संगम (II सही) बताया गया है। 'पाठशाला' रूपक अर्थ में है, वास्तवकि पाठशाला नहीं बनी (III गलत)। अतः I और II सही हैं।

Q.0 [0 mark]

काशी को 'संस्कृतकी पाठशाला' क्यों कहा गया है ?

(a) अत्यंत प्राचीन होने के कारण

(b) संस्कृत पठन-पाठन की सुवधिा के कारण

(c) सांप्रदायकि सद्भाव की वशिष्टिता के कारण

(d) कला, साहत्यि और अध्यात्म का समन्वति रूप होने के कारण <<

Explanation:

काशी में संगीत, भक्ति, कला, साहत्यि और अध्यात्म का अद्भुत समन्वय है — वभिन्नि धर्मों, कलाकारों और परंपराओं का संगम यहाँ होता है, इसीलएि यह 'संस्कृतकी पाठशाला' है।

Q.0 [0 mark]

'बस्मिल्लि खाँ का मतलब उनकी शहनाई है,' ऐसा क्यों ?

(a) बस्मिल्लि खाँ का वजूद शहनाई के बनिा कुछ भी नहीं ।

(b) बस्मिल्लि खाँ की शहनाई ने उनको पूरी दुनयिा में पहचान दलिाई ।

(c) बस्मिल्लि खाँ की शहनाई सबसे अलग और अनोखी है ।

(d) बस्मिल्लि खाँ और शहनाई एक-दूसरे के पूरक और पर्याय हैं । <<

Explanation:

गद्यांश में बताया गया है — 'बिस्मिल्ला खाँ का मतलब बिस्मिल्ला खाँ की शहनाई, शहनाई का तात्पर्य बिस्मिल्ला खाँ का हाथ' — यह परस्पर पर्याय और पूरकता को दर्शाता है।

Q.0 [0 mark]

निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए :

कथन : बिस्मिल्ला खाँ की शहनाई की जादुई आवाज़ का असर सभी के ऊपर खूब होता है।

कारण : उनकी शहनाई तालों, रागों और सरगम के सुरों से भरी हुई है।

(a) कथन सही है, परंतु कारण गलत है।

(b) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

(c) कथन और कारण दोनों सही हैं और कथन की उचित व्याख्या कारण के द्वारा हो रही है। <<

(d) कथन और कारण दोनों सही हैं, परंतु कारण, कथन की उचित व्याख्या नहीं करता है।

Explanation:

बिस्मिल्ला खाँ की शहनाई की जादुई आवाज़ (कथन) का कारण है उनकी शहनाई में ताल, राग और सरगम की महारत (कारण) — दोनों सही हैं और कारण, कथन की उचित व्याख्या है।

Q.7(v) [1 mark]

गद्यांश में बिस्मिल्ला खाँ के साथ ही निम्नलिखित महत्त्वपूर्ण संस्कृति-कर्मियों का उल्लेख काशी के संदर्भ में हुआ है :

I. पंडित कंठे महाराज

II. विद्याधरी

III. विशालाक्षी देवी

IV. बड़े रामदास जी

(a) I, II और III

(b) I, II और IV <<

(c) I, III और IV

(d) II, III और IV

Explanation:

गद्यांश में पंडित कंठे महाराज (I), वद्यिाधरी (II) और बड़े रामदास जी (IV) का स्पष्ट उल्लेख है। वशिालाक्षी देवी का नाम नहीं — वशिालाक्षी मंदरि का संदर्भ है। अतः I, II और IV सही हैं।

Q.8(k) [1 mark]

निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 – 30 शब्दों में लिखिए :

(क) 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर आज़ादी के आंदोलन के भीतर विद्यार्थियों की भूमिका के कोई दो पहलू स्पष्ट कीजिए ।

Answer: आज़ादी के आंदोलन में विद्यार्थियों की भूमिका के दो पहलू: (1) विद्यार्थी घरों से निकलकर जुलूसों और सभाओं में भाग लेते थे और अंग्रेज़ी शासन के विरुद्ध नारे लगाते थे। (2) लेखिका मन्नू भंडारी ने खुद देखा कि छात्राएँ भी आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती थीं — यह स्त्री-शक्ति का जागरण था।

Explanation:

'एक कहानी यह भी' में लेखिका ने आज़ादी के आंदोलन में अपनी और साथी छात्राओं की भागीदारी का वर्णन किया है। यह विद्यार्थियों की देशभक्ति और साहस को दर्शाता है।

Q.0 [0 mark]

(ख) 'नेताजी का चश्मा' पाठ के पात्र 'पानवाले' के व्यक्तित्व पर टिप्पणी करते हुए उसकी दो विशेषताएँ लिखिए । एक जिसे आप पसंद करते हों और दूसरी जिसे आप अवश्य बदलना चाहेंगे । दोनों को स्पष्ट करना ज़रूरी है ।

Answer: पानवाले की पसंद की विशेषता: वह देशभक्त कैप्टन के प्रति सम्मान रखता है और उसकी कमज़ोरी पर हँसता नहीं — यह उसकी अच्छाई है। बदलने योग्य विशेषता: पानवाला कैप्टन की शारीरिक बनावट का मज़ाक उड़ाता है — यह असंवेदनशीलता है जिसे बदलना चाहिए।

Explanation:

पानवाला एक साधारण व्यक्ति है — उसमें देशभक्ति के प्रति सम्मान है परंतु कैप्टन के प्रति उपहासपूर्ण रवैया उसकी कमज़ोरी है।

Q.8(g) [1 mark]

(ग) बालगोबिन भगत पाठ से सोदाहरण सिद्ध कीजिए कि भगत, कबीर की शिक्षा को सिर्फ कथनी में ही नहीं करनी में भी उतारते थे ।

Answer: बालगोबिन भगत कबीर के आदर्शों को जीवन में उतारते थे — (1) वे कभी झूठ नहीं बोलते थे और किसी की चीज़ बिना पूछे नहीं लेते थे — यह कबीर की 'साईं इतना दीजिए' की शिक्षा है। (2) बेटे की मृत्यु पर वे रोए नहीं बल्कि भजन गाए और पतोहू को मुक्त कर दिया — यह वैराग्य और मानवता की शिक्षा थी।

Explanation:

बालगोबिन भगत कबीर के सच्चे अनुयायी थे — उनकी दिनचर्या, उनका व्यवहार और उनके कार्य सभी कबीर की शिक्षाओं के अनुरूप थे।

Q.0 [0 mark]

(घ) 'लखनवी अंदाज़' पाठ नवाबी संस्कृति की परतों को खोलकर रख देता है, कैसे ? सोदाहरण समझाइए ।

Answer: लखनवी अंदाज़ में नवाब साहब खीरे को नमक-मिर्च लगाकर, सूँघकर खिड़की से बाहर फेंक देते हैं और तृप्ति का डकार लेते हैं — यह नवाबी दिखावे की परत को उजागर करता है। नवाबी संस्कृति में असलियत से ज़्यादा छवि महत्त्वपूर्ण होती है। लेखक व्यंग्य से दिखाता है कि यह 'अंदाज़' खोखला है।

Explanation:

'लखनवी अंदाज़' में नवाबी संस्कृति के दिखावे, आडंबर और खोखलेपन को व्यंग्यात्मक शैली में उजागर किया गया है।

Q.9(i) [1 mark]

निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती
वह आवाज़ सुंदर कमज़ोर काँपती हुई थी
वह मुख्य गायक का छोटा भाई है
या उसका शिष्य
या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार
मुख्य गायक की गर्ज़ में
वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से

गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में
खो चुका होता है
या अपने ही सरगम को लाँघकर
चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में
तब संगतकार ही स्थायी को सँभाले रहता है
जैसे समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान
जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन
जब वह नौसिखिया था
तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला
प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ
आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ
तभी मुख्य गायक को ढाँढ़स बँधाता
कहाँ से चला आता है संगतकार का स्वर
कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ
यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है
और यह कि फिर से गाया जा सकता है

'संगतकार' कौन हो सकता है ?

I. मुख्य गायक का पुत्र
II. मुख्य गायक का छोटा भाई
III. मुख्य गायक का कोई दूर का रिश्तेदार
IV. मुख्य गायक का कोई शिष्य

(a) I, II और III
(b) I, II और IV
(c) I, III और IV
(d) II, III और IV <<

Explanation:

काव्यांश में संगतकार के रूप में — 'मुख्य गायक का छोटा भाई (II), उसका शिष्य (IV), या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का रिश्तेदार (III)' — का उल्लेख है। पुत्र (I) का उल्लेख नहीं है।

Q.0 [0 mark]

गायक अंतरे की जटिल तानों में खो चुका होता है – का आशय है :

(a) गायक गाने की जटिलता में सुर खो देता है।
(b) गायक गाने की पंक्ति को बीच में ही भूल जाता है।
(c) गायक अंतरे को गाने में सरगम और तानों की जटिलता भूल जाता है।
(d) गायक अंतरे की तानों की गहराई और जटिलता में सुध-बुध खो देता है। <<

Explanation:

यहाँ आशय है कि मुख्य गायक अंतरे की जटिल तानों में इतना डूब जाता है कि उसे होश नहीं रहता — वह 'अनहद' में भटकने लगता है। यही 'सुध-बुध खो देना' है।

Q.0 [0 mark]

निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए :

कथन : संगतकार मुख्य गायक को उसका बचपन याद दिलाता है।

कारण : मुख्य गायक भी कभी नौसिखिया था।

(a) कथन गलत है, परंतु कारण सही है।
(b) कथन सही है, परंतु कारण गलत है।
(c) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की उचित व्याख्या है। <<
(d) कथन और कारण दोनों सही हैं, परन्तु कारण, कथन की उचित व्याख्या नहीं है।

Explanation:

काव्यांश में कहा गया है — 'जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन / जब वह नौसिखिया था' — यह दोनों कथन और कारण को सही और परस्पर संबद्ध सिद्ध करता है।

Q.0 [0 mark]

मुख्य गायक के प्रतिभावान होने के बावजूद संगतकार का होना क्यों आवश्यक है ?

(a) स्थायी और आनुषंगिक मुश्किलों को सँभालने के लिए <<
(b) उसके बचपन की याद दिलाने के लिए
(c) सुरों और सरगम की सीख लेने के लिए
(d) पीछे छूटने वाले सामान को समेटने के लिए

Explanation:

संगतकार मुख्य गायक के भटकने पर स्थायी को सँभाले रखता है और उसे ढाँढ़स बँधाता है — यह स्थायी और आनुषंगिक मुश्किलों को सँभालने की भूमिका है।

Q.9(v) [1 mark]

पद्यांश में वर्णित पंक्तियों के आधार पर मुख्य गायक के बारे में कौन-सा कथन असत्य है ?

(a) मुख्य गायक कभी-कभी अपनी सरगम में बेसुध होकर अनहद में खो जाता है।

(b) उच्च सुरों में उसका गला थकने लगता है और आवाज़ बुझने भी लगती है।

(c) संगतकार मुख्य गायक की गरजती हुई आवाज़ में अपनी गूँज मिलाकर उसे और पुष्ट करता है।

(d) मुख्य गायक अपने नौसिखिए होने को याद कर प्रेरणाहीन हो थकने लगता है। <<

Explanation:

काव्यांश में ऐसा नहीं कहा गया कि मुख्य गायक नौसिखियापन याद कर प्रेरणाहीन होता है — बल्कि संगतकार उसे याद दिलाता है। मुख्य गायक स्वयं निराश नहीं होता — यह कथन असत्य है।

Q.10(k) [1 mark]

निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 – 30 शब्दों में लिखिए :

(क) सूरदास की गोपियों की वाक्-चातुर्य को किन्हीं दो उदाहरणों से स्पष्ट कीजिए।

Answer: गोपियों की वाक्-चातुर्य के दो उदाहरण: (1) उद्धव को 'मधुकर' (भँवरा) कहकर व्यंग्य — जैसे भँवरा एक फूल पर नहीं टिकता, उद्धव भी किसी से प्रेम नहीं करते। (2) श्रीकृष्ण को 'राजनीति पढ़ि आए' कहकर व्यंग्य — कि उन्होंने चालाकी सीख ली है।

Explanation:

सूरदास की गोपियाँ व्यंग्य और वाक्-चातुर्य में अद्वितीय हैं। वे उद्धव और कृष्ण दोनों को सटीक उपमाओं और व्यंग्योक्तियों से जवाब देती हैं।

Q.0 [0 mark]

(ख) कवि निराला बादलों से किन-किन कारणों से गरजने/बरसने का आग्रह कर रहे हैं ? 'उत्साह' कविता के आधार पर कोई दो कारण अवश्य लिखिए।

Answer: निराला 'उत्साह' में बादलों से दो कारणों से गरजने-बरसने का आग्रह करते हैं: (1) धरती प्यासी है — जल की कमी से धरती तड़प रही है, बादलों की बारिश उसे तृप्त करेगी। (2) क्रांति का

आह्वान — बादलों की गर्जन नई चेतना और क्रांति की प्रेरणा देती है — कवि समाज में परिवर्तन चाहते हैं।

Explanation:

'उत्साह' में बादल दोहरे प्रतीक हैं — एक ओर वर्षा का प्राकृतिक सौंदर्य, दूसरी ओर क्रांति और नवीन चेतना का प्रतीक।

Q.10(g) [1 mark]

(ग) 'यह दंतुरित मुसकान' कविता में बच्चे के स्पर्श से 'शेफालिका के फूलों के झरने' से क्या अभिप्राय है ?

Answer: शेफालिका के फूल रात को खिलते हैं और सुबह झर जाते हैं — वे अत्यंत कोमल और सुंदर होते हैं। कवि नागार्जुन का आशय है कि बच्चे का स्पर्श इतना कोमल और मनोहर है कि वह शेफालिका के फूलों के झरने जैसा — अर्थात अत्यंत सुंदर, ताज़ा और जीवनदायी — अनुभव देता है।

Explanation:

शेफालिका के फूल क्षणभंगुर पर अत्यंत सुंदर होते हैं — बच्चे का स्पर्श भी उतना ही कोमल और मनोरम होता है।

Q.0 [0 mark]

(घ) 'आत्मकथ्य' कविता के कवि के जीवन का संबल क्या है ? वह उसे सबसे बाँटना क्यों नहीं चाहता ?

Answer: जयशंकर प्रसाद के जीवन का संबल है — उनकी व्यक्तिगत अनुभूतियाँ, उनका प्रेम और उनकी पीड़ा। वे इसे सबके साथ इसलिए नहीं बाँटना चाहते क्योंकि उनका दुख इतना निजी और गहरा है कि उसे उजागर करना उन्हें उचित नहीं लगता। दूसरों की हँसी-ठिठोली से वे अपनी पीड़ा को और गहरा नहीं करना चाहते।

Explanation:

'आत्मकथ्य' में कवि का दुख और संबल दोनों व्यक्तिगत हैं — वह आत्मकथा लिखने से इसीलिए बचता है।

Q.11(k) [1 mark]

पूरक पाठ्य-पुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 – 60 शब्दों में लिखिए :

(क) 'साना साना हाथ जोड़ि' पाठ में लेखिका के पर्यटन-अनुभवों में आपको सबसे विशेष

कौन-सी बातें लगीं ? किन्हीं दो बातों का उल्लेख करते हुए अपनी किसी पर्यटन यात्रा के अनुभव का उल्लेख कीजिए ।

Answer: लेखिका मधु कांकरिया के पर्यटन अनुभव में दो विशेष बातें: (1) कंचनजंघा की अलौकिक सुंदरता ने उन्हें मंत्रमुग्ध किया — प्रकृति की विशालता और मनुष्य की क्षुद्रता का बोध। (2) पत्थर तोड़ती गरीब महिलाओं की स्थिति देखकर भीतर से व्यथित होना — सौंदर्य और पीड़ा का सह-अस्तित्व। मेरी यात्रा अनुभव: पहाड़ी यात्रा में झरने और घाटियाँ देखकर मन शांत हुआ परंतु स्थानीय लोगों की कठिन जीवन-स्थिति देखकर संवेदना जागी।

Explanation:

'साना साना हाथ जोड़ि' में प्राकृतिक सौंदर्य और मानवीय संघर्ष का द्वंद्व लेखिका के अनुभव का केंद्र है।

Q.0 [0 mark]

(ख) 'माता का आँचल' पाठ में भोलानाथ और उसके साथियों का प्रकृति से जुड़ाव दिखता है । पाठ के संदर्भ में उस जुड़ाव को सोदाहरण लिखते हुए बताइए कि आज के बच्चे प्रकृति के साथ कैसा संबंध रखते हैं ।

Answer: भोलानाथ और उसके साथी मिट्टी से खिलौने बनाते, खेतों में दौड़ते, नदी-तालाब में खेलते और पेड़-पौधों से घिरे वातावरण में बड़े होते थे — यह प्रकृति से गहरा जुड़ाव था। आज के बच्चे मोबाइल, टीवी और इनडोर खेलों में इतने व्यस्त हैं कि प्रकृति से उनका रिश्ता लगभग टूट गया है। वे पेड़-पौधों, मिट्टी और नदियों से दूर हो गए हैं।

Explanation:

'माता का आँचल' में ग्रामीण बचपन का प्राकृतिक वातावरण आज के शहरी बचपन के बिल्कुल विपरीत है।

Q.11(g) [1 mark]

(ग) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर लिखिए कि कोई भी लेखक क्यों लिखता है । लेखन के लिए अनिवार्य कारकों में आप किसे शामिल करेंगे और क्यों ?

Answer: अज्ञेय के अनुसार लेखक इसलिए लिखता है क्योंकि भीतर की अनुभूति इतनी तीव्र होती है कि उसे बाहर निकालना अनिवार्य हो जाता है। लेखन के लिए अनिवार्य कारक है — गहरी संवेदनशीलता और जिजीविषा। मैं इसमें 'सामाजिक जिम्मेदारी' को भी शामिल करूँगा/करूँगी क्योंकि सच्चा लेखन समाज को दिशा देता है और पाठक को जीने का उद्देश्य देता है।

Explanation:

'मैं क्यों लिखता हूँ' में अज्ञेय का मानना है कि लेखन आंतरिक दबाव और संवेदना का परिणाम है — यह केवल प्रसिद्धि के लिए नहीं होता।

Q.12 [1 mark]

निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए :

(क) नेतृत्व-कौशल : आवश्यक विशेषताएँ

संकेत-बिंदु: नेतृत्व कौशल क्या है ? | उसके ज़रूरी गुण | कैसे विकसित करें अपने भीतर ये गुण

(ख) बदल रहे हैं हमारे गाँव

संकेत-बिंदु: आधुनिक सुविधाओं से युक्त | सोच में परिवर्तन | शहरी आबोहवा का असर

(ग) सोशल मीडिया : एक धीमा ज़हर

संकेत-बिंदु: सोशल मीडिया का प्रभाव और दुष्प्रभाव | युवा-पीढ़ी की ऊर्जा का नाश | अकेलापन और दबाव

Answer: उदाहरण अनुच्छेद — सोशल मीडिया : एक धीमा ज़हर:

सोशल मीडिया आज के युग की सबसे बड़ी शक्ति बन गया है, परंतु यह एक धीमा ज़हर भी है। एक ओर यह जानकारी, मनोरंजन और संवाद का माध्यम है, दूसरी ओर युवाओं की ऊर्जा और समय इसमें व्यर्थ हो रहा है। घंटों स्क्रीन से चिपके रहने से न केवल आँखें और शरीर कमज़ोर होता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है। 'लाइक' और 'फॉलोअर्स' की होड़ में युवा अकेलेपन और अवसाद का शिकार हो रहे हैं। सोशल मीडिया का सोच-समझकर उपयोग करना ही बुद्धिमानी है।

Explanation:

अनुच्छेद में संकेत-बिंदुओं को क्रमबद्ध रूप से समाहित कर, स्पष्ट और प्रवाहमयी भाषा में लिखना चाहिए।

Q.13(k) [1 mark]

(क) आप कियान/कायरा हैं । परीक्षा के दिनों में आपके इलाके में अलग-अलग प्रकार के आयोजनों में लाउडस्पीकर, डीजे आदि का प्रयोग हो रहा है, जिससे बोर्ड की परीक्षा देने वाले विद्यार्थी और बड़े-बुजुर्ग परेशान हैं । स्थानीय थाना-प्रभारी को इस तरह के आयोजनों पर उचित कार्यवाही करने हेतु लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए ।

Answer: सेवा में,

थाना-प्रभारी महोदय,

[थाना का नाम], [शहर]

विषय: परीक्षा काल में लाउडस्पीकर/डीजे पर रोक हेतु।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि हमारे मोहल्ले में इन दिनों बोर्ड परीक्षाएँ चल रही हैं। परंतु विभिन्न सामाजिक-धार्मिक आयोजनों में लाउडस्पीकर और डीजे का इतना तेज़ प्रयोग हो रहा है कि विद्यार्थी पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे पा रहे। बड़े-बुजुर्गों का स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा है। कृपया ऐसे आयोजनों में ध्वनि-प्रदूषण नियंत्रण के लिए उचित कार्यवाही करें।

आपका आभारी/आभारी,

कियान/कायरा

[तिथि]

Explanation:

औपचारिक शिकायत पत्र में 'सेवा में', 'विषय', समस्या का विवरण और विनम्र निवेदन अनिवार्य है।

Q.0 [0 mark]

अथवा

(ख) आप कियान/कायरा हैं । आपने घर में अक्सर देखा है कि आपकी माँ सबके प्रति अपनी ज़िम्मेदारी निभाती हुई अपने ही स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रख रही हैं । उन्हें 100 शब्दों में पत्र लिखकर अपनी चिंता से अवगत कराते हुए अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखने का अनुरोध कीजिए ।

Answer: प्रिय माँ,

सादर चरण-स्पर्श।

माँ, मैं आपको पत्र इसलिए लिख रहा/रही हूँ क्योंकि मुझे आपकी बहुत चिंता है। आप सुबह से रात तक सबका ख्याल रखती हैं — खाना बनाना, घर संभालना, हम सबकी ज़रूरतें पूरी करना — लेकिन खुद के लिए आपके पास समय ही नहीं। आपकी थकान और तबीयत देखकर मन दुखी होता है। कृपया दिन में थोड़ा आराम करें, अपना खाना-पानी नियमित रखें और डॉक्टर से नियमित जाँच करवाएँ। आप स्वस्थ रहेंगी तो परिवार खुश रहेगा।

आपका/आपकी,

कियान/कायरा

Explanation:

पारिवारिक पत्र में आत्मीय भाषा, प्रेम और चिंता की अभिव्यक्ति तथा विशेष अनुरोध स्पष्ट रूप से लिखना चाहिए।

Q.14(k) [1 mark]

(क) आप सोनी/राघव हैं और हाल ही में आपने शारीरिक शिक्षा विषय में स्नातक की डिग्री पाई है और बास्केटबॉल के खेल का आपका लंबा अनुभव भी है। 'राजकीय विद्यालय नई दिल्ली' में पी.ई. शिक्षक के पद की रिक्ति भी हुई है। इस पद के लिए आवेदन हेतु लगभग 80 शब्दों में अपना एक स्ववृत्त तैयार कीजिए।

Answer: स्ववृत्त (Curriculum Vitae)

नाम: सोनी/राघव

पता: [पता], नई दिल्ली

फोन: [नंबर] | ई-मेल: [ई-मेल]

शैक्षिक योग्यता:

- शारीरिक शिक्षा में स्नातक (हाल ही में उत्तीर्ण)
- 12वीं — [बोर्ड, प्रतिशत]

खेल अनुभव:

- बास्केटबॉल — राज्य/जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी

कौशल: खेल प्रशिक्षण, शारीरिक प्रशिक्षण योजना, प्राथमिक चिकित्सा

भाषा: हिंदी, अंग्रेजी

घोषणा: उपर्युक्त जानकारी सत्य और सही है।

तिथि: हस्ताक्षर

Explanation:

स्ववृत्त में नाम, पता, शैक्षिक योग्यता, अनुभव, कौशल और घोषणा का समावेश अनिवार्य है।

Q.0 [0 mark]

अथवा

(ख) आप सोनी/राघव हैं। क.ख.ग. बैंक से आपके मोबाइल पर एक शाम आपके क्रेडिट कार्ड से दस हजार रुपए की राशि का भुगतान होने की सूचना आई जबकि आपने कोई खरीदारी या भुगतान भी नहीं किया है। बैंक के क्रेडिट कार्ड शाखा में पूरे घटनाक्रम का विवरण लिखते हुए लगभग 80 शब्दों में एक ईमेल लिखिए। साथ ही उचित कार्रवाई न होने तक तत्काल प्रभाव

से क्रेडिट कार्ड के माध्यम से होने वाले लेन-देन पर रोक लगाने का अनुरोध भी कीजिए।

Answer: प्रति: creditcard@kkg.bank.com

विषय: अनधिकृत क्रेडिट कार्ड लेन-देन की शिकायत

महोदय/महोदया,

मेरे क्रेडिट कार्ड (अंतिम 4 अंक: XXXX) से आज शाम 10,000 का लेन-देन हुआ है, जो मैंने नहीं किया। न तो मैंने कोई खरीदारी की और न ही कोई भुगतान। यह संभवतः धोखाधड़ी है। कृपया तत्काल इस लेन-देन की जाँच करें और जब तक उचित कार्रवाई न हो, मेरे क्रेडिट कार्ड के सभी लेन-देन पर रोक लगाएँ।

सोनी/राघव

[फोन नंबर]

Explanation:

बैंक शिकायत ई-मेल में स्पष्ट विषय, घटना का विवरण, कार्ड संबंधी जानकारी और तत्काल कार्रवाई का अनुरोध अनिवार्य है।

Q.15(k) [1 mark]

(क) 'मतदान एक अनिवार्य कर्तव्य है' इस विषय पर चुनाव आयोग की ओर से एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 40 शब्दों में तैयार कीजिए।

Answer: जनहित में जारी — चुनाव आयोग, भारत

'आपका एक वोट — देश की दशा बदले !'

मतदान करना आपका संवैधानिक अधिकार भी है और अनिवार्य कर्तव्य भी।

18 वर्ष से अधिक हर नागरिक मतदान करे।

'जागरूक मतदाता — मज़बूत लोकतंत्र'

वोट डालें, राष्ट्र बनाएँ।

Explanation:

जनहितकारी विज्ञापन में आकर्षक नारा, संक्षिप्त संदेश और जारीकर्ता संस्था का उल्लेख अनिवार्य है।

Q.0 [0 mark]

अथवा

(ख) आपके प्रिय मित्र को लंदन के किंग्स कॉलेज में पूरी छात्रवृत्ति के साथ दाखिला मिल

गया है। मित्र का नाम रोहन और आपका नाम यामिनी/जॉर्ज है। लगभग 40 शब्दों में उसे बधाई और शुभकामना दीजिए।

Answer: प्रिय रोहन,
लंदन के किंग्स कॉलेज में पूरी छात्रवृत्ति के साथ दाखिले की हार्दिक बधाई ! तुम्हारी मेहनत और प्रतिभा का यह शानदार पुरस्कार है। ईश्वर तुम्हें वहाँ खूब सफलता और यश दे। हम सभी को तुम पर गर्व है।
तुम्हारी/तुम्हारा शुभचिंतक,
यामिनी/जॉर्ज

Explanation:
बधाई संदेश में मित्र की उपलब्धि का उल्लेख, हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ — सब कुछ संक्षिप्त और आत्मीय भाषा में होना चाहिए।